अध्यापक सहायक पुस्तिका

Fiesta Learning
Big Ideas Simply Explained

व्याकरण भारती

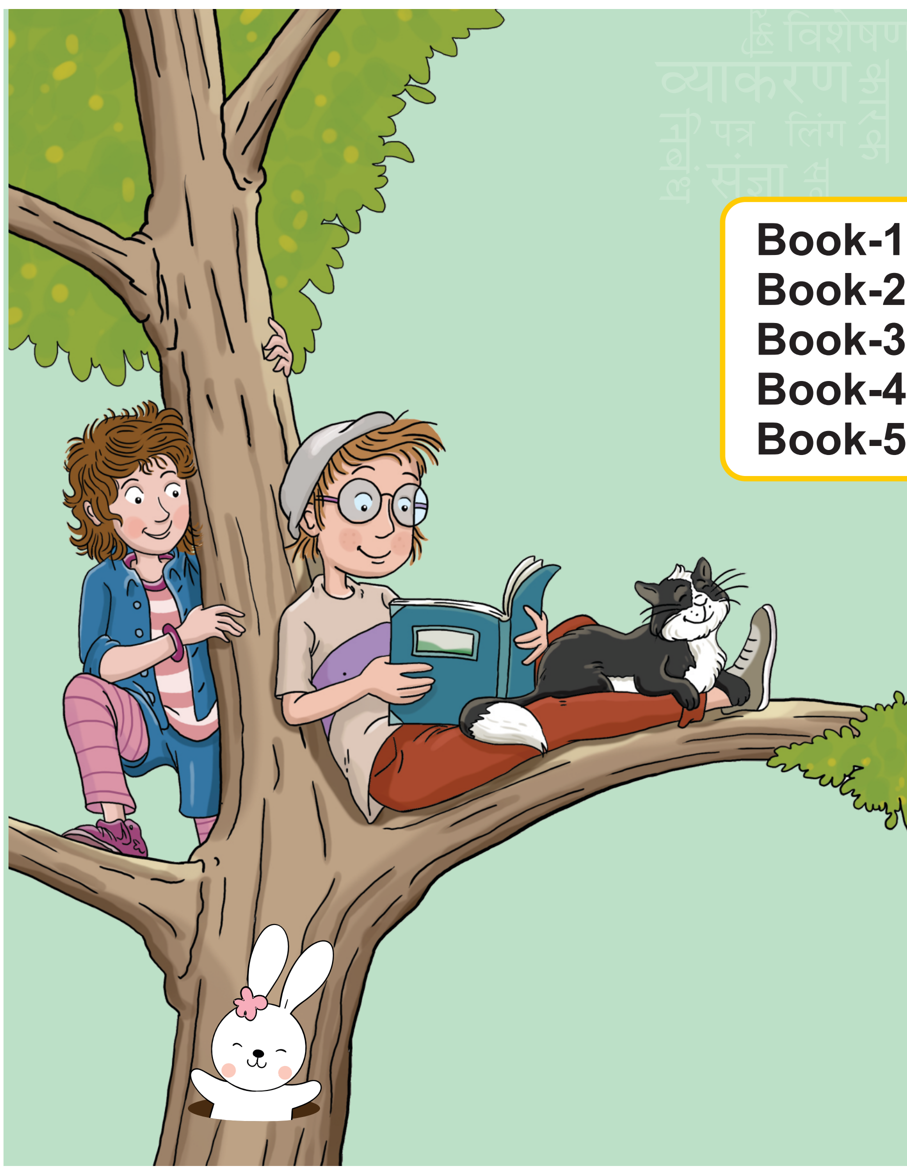

Designed by Environment Literacy Experts

Book-1 2
Book-2 7
Book-3 13
Book-4 20
Book-5 27

व्याकरण-1

1 भाषा : बोलना, लिखना, सुनना और पढ़ना

1. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (d)
2. **(क)** लिखकर; **(ख)** बोलकर; **(ग)** पढ़कर; **(घ)** बोलकर।
3. हिन्दी
4. **(क)** हम अपनी बात दूसरों को बोलकर तथा लिखकर समझाएँगे।
   (ख) हम दूसरों की बात सुनकर और पढ़कर समझेंगे।
   (ग) अपने विचारों को दूसरों को समझाना तथा दूसरों के विचारों को समझना भाषा कहलाती है।

2 बोलियाँ कैसी-कैसी

1. **(क)** बोली; **(ख)** म्याऊँ-म्याऊँ, **(ग)** टर्र-टर्र; **(घ)** भौं-भौं
2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (c)
3. **(क)** आपसी बोलचाल की भाषा बोली कहलाती है।
   (ख) संसार में मनुष्य की बोली सबसे स्पष्ट होती है।
   (ग) कुछ बोलियों के नाम हैं- मैथिली, हरियाणवी, गढ़वाली, आदि।
   (घ) तीन जीवों के नाम हैं- कबूतर, बन्दर तथा गधा और उनकी बोलियाँ हैं- गुटर-गूँ, खो-खो तथा ढेंचू-ढेंचू।

3 वर्ण और वर्णमाला

1. **(क)** (a); **(ख)** (d); **(ग)** (c)
2. **स्वर –** अ, ए, ई, आ, इ, ऐ, उ, ऋ।
   व्यंजन – प, स, ल, ट, क, ह, भ, ष, ख, च, ग, घ, फ, श, व, य, न, ठ, ड, ढ।

4 मात्राएँ : स्वरों के चिह्न

1. **(क)** आ की; **(ख)** खीर; **(ग)** जोकर; **(घ)** 'ऋ' की
2. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (b)
3. **(क)** स्वर का बदला रूप मात्रा कहलाता है।
   (ख) व्यंजन के बाद आ, ई, ओ, औ तथा अं की मात्राएँ लगती हैं।
   (ग) व्यंजन के नीचे उ, ऊ तथा ऋ की मात्राएँ लगती हैं।

5 शब्द और वाक्य

1. (क) (b); (ख) (d); (ग) (c)
2. (क) फल; (ख) र + थ – रथ; (ग) म + ग + र – मगर (घ) ब + त + ख – बतख
3. (क) शब्द; (ख) अर्थ; (ग) वाक्य; (घ) सार्थक
4. (क) दो या दो से अधिक वर्णों से मिलकर शब्द बनते हैं।
   (ख) दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं।
   (ग) दो या दो से अधिक वर्णों के मेल को शब्द तथा दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को वाक्य कहते हैं।

6 संज्ञा : नाम वाले शब्द

1. (क) (b); (ख) (a); (ग) (d)
2. (क) गाय; (ख) नवीन मिश्रा; (ग) घोड़े, सड़क; (घ) कविता, घर; (ङ) मछलियाँ, नदी
3. (क) मेज; (ख) पुस्तक; (ग) पार्क; (घ) ताला; (ङ) फुटबॉल

7 सर्वनाम : सभी नामों के लिए

1. (क) (d); (ख) (b); (ग) (d)
2. (क) वह; (ख) आप; (ग) वे; (घ) उनकी; (ङ) तुम
3. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
   (ख) कुछ सर्वनाम शब्द हैं- यह, वह, ये, वे, तुम, आप, मैं, आदि।
   (ग) (a) दूर की एकवचन वस्तु के लिए; (b) निकट की एकवचन वस्तु के लिए; (c) सुनने वाले के लिए; (d) कहने वाले बहुवचन के लिए; (e) कहने वाले एकवचन के लिए; (f) दूर की बहुवचन वस्तु के लिए

8 विशेषण : विशेषता बताने वाले शब्द

1. (क) (d); (ख) (a) ; (ग) (a)
2. (क) गोल; (ख) बूढ़ा; (ग) अच्छे; (घ) मीठा
3. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
   (ख) मोटा आदमी, हल्की रूई, भारी पत्थर, काला लड़का

9 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1. (क) (d); (ख) (b); (ग) (a)
2. (क) गरजते; (ख) तैरती; (ग) दहाड़ता; (घ) चहचहाती; (ङ) रेंगता; (च) बहती
3. (क) खाना; (ख) सोना; (ग) लिखना; (घ) नहाना; (ङ) झूलना; (च) पढ़ना; (छ) तैरना; (ज) पीना
4. (क) जिन शब्दों से कार्य का होना या करना पाया जाता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।
   (ख) क्रिया बताने वाले शब्द हैं- नहाना, चलना, सोना, रोना, पीना।

10 लिंग : पुरुष-स्त्री

1. (क) (d); (ख) (a); (ग) (b)
2. (क) रानी; (ख) लड़की; (ग) औरत; (घ) मोरनी
3. (क) शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
   (ख) जो शब्द मादा (स्त्री) जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे-घोड़ी, औरत, लड़की, आदि।
   (ग) जो शब्द नर (पुरुष) जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं, जैसे-घोड़ा, आदमी, लड़का, आदि।

11 वचन : एक-अनेक

1. (क) (b); (ख) (a); (ग) (c)
2. (क) एकवचन; (ख) बहुवचन
3. (क) शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या में एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
   (ख) वचन दो प्रकार के होते हैं। (1) एकवचन–पत्ता, (2) बहुवचन–पत्ते।

12 विलोम शब्द

1. (क) (b); (ख) (d)
2. (क) अस्त; (ख) अन्दर; (ग) भलाई; (घ) सुख
3. (क) (ii); (ख) (iii); (ग) (iv); (घ) (i)

13 पर्यायवाची

1. (क) (b); (ख) (a)
2. (क) पुष्प, कुसुम, सुमन; (ख) मेघ, घन, जलद; (ग) रवि, दिनकर, भानु; (घ) खग, विहग, परिन्दा
3. (क) दिवस, वार, वासर; (ख) बादल, मेघ, जलद; (ग) पानी, वारि, नीर; (घ) सुर, देव, भगवान

14 पत्र-लेखन

1. **(क)** (c); **(ख)** (b)

2. त्यागी हॉस्टल, हरी नगर
लखनऊ।
आदरणीय माताजी,
सादर चरण स्पर्श!

मैं यहाँ ठीक हूँ। मेरी पढ़ाई अच्छी तरह से चल रही है। बहन अनुराधा का कल पत्र आया था उसने बताया कि आप बीमार चल रही हैं। ज्वर के साथ-साथ आपको खाँसी भी आ रही है। आप तुरंत ही किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाएँ तथा अपने स्वास्थ्य के बारे में सचेत रहे। अकसर काम में आप अपना स्वास्थ्य भूल जाती हैं। शीघ्र ही पत्र में अपने स्वास्थ्य के बारे में बताएँ। मुझे बहुत चिन्ता हो रही है।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी पुत्र
क.ख.ग.

15 कहानी-लेखन

1. **(क)** (a); **(ख)** (c)

2. स्वयं करें।

16 चित्रकथा-लेखन

स्वयं करें।

17 निबंध-लेखन

1. **(क)** (a); **(ख)** (c); **(ग)** (d)

2. स्वयं करें।

मॉडल प्रश्न-पत्र-I

1. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (c)

2. **(क)** म्याऊँ-म्याऊँ; **(ख)** (ऋ); **(ग)** मात्रा; **(घ)** मेज; **(ङ)** गोल

3. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓; **(ङ)** ✗

4. (क) आपसी बोलचाल की भाषा बोली कहलाती है।
   (ख) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) स्वरों के बदले हुए रूप को मात्रा कहते हैं।
   (घ) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
   (ङ) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

मॉडल प्रश्न-पत्र-II

1. (क) (c); (ख) (a); (ग) (c)
2. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓
3. (क) बहुवचन; (ख) उदय; (ग) आता; (घ) आनन्द (ङ) चित्रात्मक-कहानी
4. (क) लिखना, पढ़ना, चलना, खाना, दौड़ना।
   (ख) उल्टे अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं और एक शब्द के समान अर्थ बताने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।
   (ग) पत्र में सबसे पहले भेजने वाले का पता होता है।
   (घ) किसी वस्तु, स्थान, घटना या व्यक्ति का संक्षिप्त विवरण देना, निबन्ध कहलाता है।

SKILL Test – 1

1. (c); **2.** (d); **3.** (d); **4.** (b); **5.** (b); **6.** (b); **7.** (c); **8.** (a); **9.** (d); **10.** (c); **11.** (a); **12.** (d); **13.** (c); **14.** (a); **15.** (b)

SKILL Test – 2

1. (d); **2.** (c); **3.** (b); **4.** (d); **5.** (a); **6.** (b); **7.** (a); **8.** (b); **9.** (a); **10.** (d); **11.** (b); **12.** (d); **13.** (c); **14.** (b); **15.** (d)

SKILL Test – 3

1. (a); **2.** (d); **3.** (d); **4.** (a); **5.** (d); **6.** (b); **7.** (a); **8.** (c); **9.** (a); **10.** (d); **11.** (d); **12.** (c); **13.** (b); **14.** (c); **15.** (b)

SKILL Test – 4

1. (b); **2.** (c); **3.** (a); **4.** (b); **5.** (d); **6.** (b); **7.** (a); **8.** (b); **9.** (a); **10.** (c); **11.** (d); **12.** (b); **13.** (c); **14.** (a); **15.** (b)

व्याकरण-2

1 भाषा तथा इसके रूप

1. **(क)** दूसरों को अपनी बात समझाने के लिए।
   (ख) मौखिक रूप।
   (ग) हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू।
2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (d)
3. **(क)** ✗; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓
4. **(क)** बोलकर; **(ख)** दो; **(ग)** अनेक; **(घ)** 14 सितम्बर
5. **(क)** अपनी बात को दूसरों को समझाना तथा दूसरों की बात को समझना ही भाषा कहलाती है।
   (ख) भाषा के दो रूप होते हैं- मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा।
   (ग) जिसमें हम लिखकर अपनी बात दूसरों को समझाते हैं और पढ़कर दूसरों की भाषा समझते हैं, लिखित भाषा कहलाती है।
   (घ) भाषा एक बड़े क्षेत्र में बोली जाती है, जबकि बोली एक सीमित क्षेत्र में बोली जाती है।

2 वर्ण तथा वर्णमाला

1. **(क)** ध्वनियाँ; **(ख)** अक्षर या वर्ण; **(ग)** वर्णमाला; **(घ)** ग्यारह
2. **(क)** (a); **(ख)** (a); **(ग)** (c
3. **(क)** मच्छर; **(ख)** फल; **(ग)** पुस्तक
4. **(क)** स् + ई + अं + च् + अ + न् + आ; **(ख)** न् + आ + च् + अ + न् + आ;
   (ग) प् + र् + आ + र् + थ् + अ + न् + आ + क् + अ + र् + अ + न् + आ
5. **(क)** भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण कहते हैं।
   (ख) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) वर्ण दो प्रकार के होते हैं– (1) स्वर (2) व्यंजन।
   (घ) जिन वर्णों को बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में ग्यारह स्वर होते हैं।
   (ङ) जिन वर्णों को बोलने में दूसरे वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में 33 (तैंतीस) व्यंजन होते हैं।

3 मात्राएँ

1. **(क)** मात्रा।
   (ख) आ, ई, ओ, औ तथा अः; की।
   (ग) उ, ऊ तथा ऋ की।

(घ) ए, ऐ, तथा अं की।

2. **(क)** (d); **(ख)** (c); **(ग)** (b)

3. **(क)** रूप; **(ख)** मात्रा; **(ग)** नीचे; **(घ)** भालू

4. **(क)** (ii), (ब); **(ख)** (i), (द); **(ग)** (v), (स); **(घ)** (iv), (य); **(ङ)** (iii), (अ)

4 संज्ञा : नाम वाले शब्द

1. **(क)** नाम से; **(ख)** छात्र स्वयं करें; **(ग)** बचपन, बुढ़ापा, गरमी, सरदी

2. **(क)** (a); **(ख)** (d); **(ग)** (b)

3. **(क)** तारे; **(ख)** नदी; **(ग)** ताजमहल; **(घ)** मिठाई **(ङ)** कुत्ता

4. डॉक्टर, गुलाम, हाथ, मटर, विद्यालय, किसान, चॉकलेट।

5. **(क)** किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) हम वस्तुओं की पहचान उनके नामों से कर सकते हैं।

5 लिंग

1. **(क)** लिंग से; **(ख)** कुत्ता, मोर; **(ग)** बकरी, भेड़

2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (d)

3. **(क)** लिंग; **(ख)** दो; **(ग)** पुल्लिंग; **(घ)** स्त्रीलिंग

4. **(क)** बहन; **(ख)** पड़ोसिन; **(ग)** रानी; **(घ)** घोड़ी; **(ङ)** बेटी; **(च)** नानी

5. **(क)** दादा; **(ख)** मौसा; **(ग)** चूहा; **(घ)** लड़का; **(ङ)** देवता; **(च)** भाई

6. **(क)** शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री अथवा पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं।

(ग) स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द को स्त्रीलिंग कहते हैं। अध्यापिका तथा मौसी शब्द स्त्रीलिंग के दो उदाहरण हैं।

6 वचन : एक या एक से अधिक

1. **(क)** बहुवचन; **(ख)** एकवचन; **(ग)** ऋतुएँ

2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (b)

3. **(क)** वचन; **(ख)** दो; **(ग)** बहुवचन

4. **(क)** शब्द के जिस रूप से उनके द्वारा बताई गई वस्तुओं के संख्या में एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, वचन कहलाता है।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन तथा बहुवचन।

7 सर्वनाम : सभी नामों के स्थान पर

1. **(क)** मैं; **(ख)** वे और आप; **(ग)** वह, तुम
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (b)
3. **(क)** मैं; **(ख)** यह; **(ग)** तुम; **(घ)** ये ; **(ङ)** वे; **(च)** तुम
4. **(क)** संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
   (ख) बात कहने वाले के लिए मैं, हम आदि सर्वनाम प्रयोग किए जाते हैं।
   (ग) बात सुनने वाले के लिए तु, तुम सर्वनाम प्रयोग किए जाते हैं।

8 विशेषण : विशेषता बताने वाले शब्द

1. **(क)** विशेषण; **(ख)** हरा; **(ग)** ठण्डी
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (d)
3. **(क)** लाल; **(ख)** मीठा; **(ग)** साफ
4. **(क)** नीली; **(ख)** मोटा; **(ग)** हरा; **(घ)** ऊँचा; **(ङ)** गरीब **(च)** स्वादिष्ट।
5. **(क)** संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
   (ख) विशेषण शब्द को कैसा, कितना आदि शब्द लगाकर पहचाना जा सकता है।

9 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1. **(क)** क्रिया; **(ख)** लिखना, पीना, नाचना; **(ग)** एक
2. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (b)
3. पढ़ना, रोना, हँसना, धोना
4. **(क)** तैर; **(ख)** दौड़; **(ग)** पढ़; **(घ)** सो; **(ङ)** कूद **(च)** खाना खा
5. **(क)** जिस शब्द से किसी कार्य के करने या घटना के होने का बोध होता है, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं।
   (ख) हमारे द्वारा प्रातःकाल की जाने वाली क्रियाएँ हैं- उठना, शौच जाना, नहाना, नाश्ता करना, विद्यालय जाना, आदि।

10 विलोम शब्द : उल्टे अर्थ वाले शब्द

1. **(क)** विलोम शब्द; **(ख)** दुख; **(ग)** पुण्य

2. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (a)

3. **(क)** अवगुण; **(ख)** अंत; **(ग)** मरण; **(घ)** उत्तर; **(ङ)** निराशा; **(च)** प्रकाश; **(छ)** सरल; **(ज)** अयोग्य

4. **(क)** परस्पर विपरीत (उल्टे) अर्थ बताने वाले शब्द विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।

(ख) कुछ शब्द और उनके विलोम हैं- दायाँ-बायाँ, ऊपर-नीचे, आकाश-पाताल।

11 पर्यायवाची शब्द : समान अर्थ वाले शब्द

1. **(क)** (d); **(ख)** (d); **(ग)** (a)

2. **(क)** आकाश; **(ख)** सूरज; **(ग)** चंद्रमा; **(घ)** स्त्री

12 मुहावरे : विशेष अर्थ वाले शब्द-समूह

1. **(क)** मुहावरे; **(ख)** गले लगाना-प्यार से मिलना, कान भरना-चुगली करना।

2. **(क)** (b); **(ख)** (a)

3. **(क)** मुहावरा; **(ख)** दोस्ती करना; **(ग)** बहुत दिनों बाद मिलना; **(घ)** मर जाना।

4. **(क)** विशेष अर्थ वाले शब्द समूहों को मुहावरे कहते हैं।

(ख) कोल्हू का बैल - बहुत परिश्रमी, ढोल पीटना - सब जगह बात फैला देना, हाथ मिलाना - दोस्ती करना।

13 पत्र-लेखन

1. **(क)** (a); **(ख)** (a)

2. 23/4 चुलबुल कॉम्पलैक्स

श्रीनगर

पूज्य पिताजी,

सादर चरण स्पर्श!

मेरी पढ़ाई ठीक प्रकार से चल रही है। मेरी अर्धवार्षिक परीक्षाएँ 25 नवंबर से शुरू होने जा रही हैं। जिसके लिए मुझे कुछ पुस्तकें खरीदनी हैं। जिसके लिए मुझे ₹ 500 की आवश्यकता है। जल्दी भिजवाने का कष्ट करें ताकि मैं पुस्तकें खरीदकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ। मम्मी ने पत्र में बताया था कि उन्होंने मेरे लिए एक पुलोवर बनाया है। वह भी भिजवा देना।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी पुत्र

क.ख.ग.

14 कहानी-लेखन

स्वयं करें।

15 निबंध-लेखन

स्वयं करें।

मॉडल प्रश्न-पत्र-I

1. **(क)** (a); **(ख)** (b); **(ग)** (a)
2. **(क)** दो; **(ख)** वर्णमाला; **(ग)** रूप; **(घ)** दो; **(ङ)** क्रिया
3. **(क)** ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗
4. **(क)** भाषा का वह रूप जिसमें हम लिखकर अपनी बात दूसरों को समझाते हैं तथा पढ़कर दूसरों की बात समझते हैं, लिखित भाषा कहलाती है।
   (ख) जिन वर्णों को बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिन्दी भाषा में तैंतीस (33) व्यंजन होते हैं।
   (ग) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
   (घ) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

मॉडल प्रश्न-पत्र-II

1. **(क)** (c); **(ख)** (c); **(ग)** (a)
2. **(क)** अशान्त; **(ख)** समानार्थी या पर्यायवाची; **(ग)** स्त्री; **(घ)** बहुत दिनों बाद मिलना; **(ङ)** विचार
3. **(क)** ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓
4. **(क)** जिन शब्दों से किसी कार्य या घटना के होने का बोध होता है, क्रिया कहलाता है।
   (ख) एक-दूसरे के विपरीत अर्थात् विलोम (उल्टे) अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
   (ग) मुहावरा कुछ शब्दों का समूह या वाक्यांश होता है जिसका विशेष अर्थ होता है।
   (घ) किसी वस्तु, प्राणी, स्थान अथवा घटना के संक्षिप्त विवरण को निबन्ध कहते हैं।

SKILL Test – 1

1. (b); **2.** (d); **3.** (c); **4.** (c); **5.** (d); **6.** (b); **7.** (a); **8.** (c); **9.** (a); **10.** (a); **11.** (c); **12.** (b)

SKILL Test – 2

1. (d); **2.** (c); **3.** (c); **4.** (b); **5.** (d); **6.** (a); **7.** (d); **8.** (c); **9.** (c); **10.** (a); **11.** (d); **12.** (a)

SKILL Test – 3

1. (b); **2.** (d); **3.** (c); **4.** (c); **5.** (d); **6.** (c); **7.** (c); **8.** (a); **9.** (a); **10.** (b); **11.** (d); **12.** (b)

SKILL Test – 4

1. (c); **2.** (d); **3.** (b); **4.** (d); **5.** (c); **6.** (b); **7.** (d); **8.** (c); **9.** (a); **10.** (b); **11.** (c); **12.** (d)

व्याकरण-3

1 भाषा और व्याकरण

1. **(क)** भाषा; **(ख)** मौखिक भाषा; **(ग)** रोमन
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (d)
3. **(क)** मौखिक; **(ख)** लिखित; **(ग)** मलयालम; **(घ)** व्याकरण
4. **(क)** देवनागरी; **(ख)** रोमन; **(ग)** गुरुमुखी; **(घ)** फारसी
5. **(क)** अपने भावों को आदान-प्रदान करने का साधन भाषा कहलाती है। भाषा दो प्रकार की होती है- लिखित भाषा तथा मौखिक भाषा।
   (ख) लिखकर दूसरों को समझाने वाली तथा पढ़कर स्वयं समझी जाने वाली भाषा लिखित भाषा कहलाती है। मुख से बोली जाने वाली तथा कानों से सुनी जाने वाली भाषा मौखिक भाषा कहलाती है।
   (ग) किसी भाषा को ध्वनि चिह्नों द्वारा प्रकट करना लिपि कहलाता है।
   (घ) किसी भाषा को शुद्ध पढ़ने, लिखने तथा बोलने के नियमों का बोध कराने वाली विद्या व्याकरण कहलाती है।

2 वर्ण तथा वर्णमाला

1. **(क)** वर्ण; **(ख)** 8 ध्वनियाँ; **(ग)** वर्णों का क्रमबद्ध समूह
2. **(क)** (a); **(ख)** (b); **(ग)** (c)
3. **स्वर –** ऋ, ओ, आ, औ, ऐ, अ, ऊ, ई।
   व्यंजन – थ, ह, स, य, ब, फ, ग, छ।
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✗
5. **(क)** कक्षा, साक्षी, रक्षा; **(ख)**त्रिकोण, त्रिशूल, आत्रेय; **(ग)** ज्ञान, ज्ञप्ति, आज्ञा; **(घ)** श्रम, आश्रम, आश्रय
6. **(क)** किसी भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है।
   (ख) जिन वर्णों को बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, वे स्वर कहलाते हैं।
   (ग) जिन वर्णों को बोलने में दूसरे वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।
   (घ) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (ङ) दो व्यंजनों के मेल से बने ऐसे व्यंजन जिनकी मूल पहचान बिलकुल समाप्त हो जाए, संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

3 स्वरों की मात्राएँ

1. **(क)** उसका स्वरूप बदल जाता है; **(ख)** आ, ई, ओ तथा औ; **(ग)** नहीं
2. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (a)

3. **(क)** मात्रा; **(ख)** निश्चित; **(ग)** अ; **(घ)** अयोगवाह
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✓; **(ग)** ✗; **(घ)** ✓
5. **(क)** आ, ई, ओ, औ; **(ख)** ए, ऐ, अं; **(ग)** उ, ऊ, ऋ; **(घ)** इ
6. **(क)** जब किसी स्वर का प्रयोग किसी व्यंजन के बाद किया जाता है तो उसका रूप बदल जाता है। इस बदले हुए रूप को ही मात्रा कहते हैं। मात्रा का प्रयोग व्यंजनों के साथ किया जाता है।
(ख) तीन अयोगवाह– अं, अँ तथा अः हैं। इनकी मात्राओं से बने दो-दो शब्द हैं अंत, अंधकार, पाँच, ऊँट, पुनः, नमः।
(ग) मात्राएँ चार प्रकार से लगाई जाती हैं- व्यंजन से पहले, व्यंजन के बाद, व्यंजन के ऊपर तथा व्यंजन के नीचे।

4 शब्द और वाक्य

1. **(क)** शब्द; **(ख)** वोटी, वानी; **(ग)** उद्देश्य
2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (d)
3. **(क)** वर्ण; **(ख)** शब्द; **(ग)** सार्थक; **(घ)** निरर्थक; **(ङ)** पाँच
4. **(क)** उद्देश्य–कोयल, विधेय–मीठे स्वर में गाती है।; **(ख)** उद्देश्य–बच्चे, विधेय–क्रिकेट खेल रहे हैं।; **(ग)** उद्देश्य–मम्मी, विधेय–खाना बना रही हैं।; **(घ)** उद्देश्य–दादी, विधेय–कहानी सुना रही हैं।
5.

✓	✓	✓	✗
✓	✗	✓	✓
✗	✓	✗	✗
✗	✓	✓	✗

6. **(क)** वर्णों का ऐसा समूह जिसका कोई-न-कोई अर्थ निकलता हो, शब्द कहलाता है।
(ख) जिस शब्द का कोई अर्थ होता है, वह सार्थक तथा जिसका कोई अर्थ नहीं होता, वह निरर्थक शब्द कहलाता है।
(ग) शब्दों का ऐसा सार्थक समूह जिसका कोई अर्थ निकलता हो, वाक्य कहलाता है।
(घ) वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए उसे उद्देश्य तथा उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

5 संज्ञा : नाम

1. **(क)** नाम; **(ख)** तीन;
(ग) व्यक्तिवाचक - अरुण, मोहन/ जातिवाचक - हाथी, बिल्ली/ भाववाचक - पढ़ाई, मिठास।
2. **(क)** (d); **(ख)** (b); **(ग)** (c)
3. **(क)** संज्ञा; **(ख)** तीन; **(ग)** जातिवाचक; **(घ)** व्यक्तिवाचक
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✗

6 लिंग : स्त्री या पुरुष

1. **(क)** दो; **(ख)** चीता, खरगोश, तोता; **(ग)** बतख, गिलहरी, मछली।

2. **(क)** (d); **(ख)** (a); **(ग)** (b)

3. **(क)** दो; **(ख)** पुरुष; **(ग)** स्त्री; **(घ)** पुल्लिंग; **(ङ)** स्त्रीलिंग

4. **(क)** कवयित्री, महादेवी वर्मा छायावादी युग की कवयित्री थी।

(ख) लेखिका, शिवानी एक महान लेखिका थी।

(ग) अध्यापिका, हमारे विद्यालय में पंद्रह अध्यापिकाएँ हैं।

(घ) प्रधानाचार्या, हमारी प्रधानाचार्या बहुत अनुशासन प्रिय हैं।

5. **(क)** शब्द के जिस रूप से उनके पुरुष अथवा स्त्री होने का बोध होता है। लिंग कहलाता है।

(ख) लिंग के दो भेद होते हैं- पुल्लिंग - ब्राह्मण, मोर तथा स्त्रीलिंग - ब्राह्मणी, मोरनी।

(ग) शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

(घ) शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

7 वचन : नामों की संख्या

1. **(क)** वचन से; **(ख)** बहुवचन; **(ग)** बहुवचन

2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (a)

3. **(क)** संख्या; **(ख)** एकवचन; **(ग)** बहुवचन; **(घ)** बहुवचन; **(ङ)** बहुवचन

4. **(क)** बहुवचन; **(ख)** बहुवचन; **(ग)** एकवचन; **(घ)** एकवचन; **(ङ)** बहुवचन; **(च)** एकवचन

5. **(क)** पुस्तकें; **(ख)** औरतें; **(ग)** मालाएँ; **(घ)** वधुएँ; **(ङ)** मिठाइयाँ; **(च)** घड़ियाँ

6. **(क)** शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन तथा बहुवचन।

8 सर्वनाम

1. **(क)** सर्वनाम।

(ख) सुन्दरता आती है।

(ग) यह, वह, मैं, तुम, वह आदि।

2. **(क)** (d); **(ख)** (d)

3. **(क)** तुम; **(ख)** मैं; **(ग)** वे; **(घ)** मैं

4. **(क)** क्या, प्रश्नवाचक; **(ख)** यह–संकेतवाचक, वह–पुरुषवाचक, अपने आप–निजवाचक; **(ग)** स्वयं–निजवाचक; **(घ)** हमें–पुरुषवाचक।

5. **(क)** संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

(ख) सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं।

(ग) जिन सर्वनाम शब्दों से हमें निश्चित व्यक्तियों या वस्तुओं का पता चलता है, वे संकेतवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

(घ) जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से सम्बन्ध होता है तथा जो दो वाक्यों को जोड़ते हैं, वे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

9 विशेषण

1. **(क)** विशेषण; **(ख)** विशेष्यों की; **(ग)** संख्यावाचक
2. **(क)** (b); **(ख)** (d); **(ग)** (d)
3. **(क)** ✗; **(ख)** ✓; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓; **(ङ)** ✓
4. **(क)** संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द, विशेषण कहलाते हैं।
   (ख) विशेषण के चार भेद होते हैं।
   (ग) विशेषण शब्द जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं। मीठा आम में आम विशेष्य है।
   (घ) यह, ये, वह, वे।

10 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1. **(क)** क्रिया; **(ख)** नहीं; **(ग)** हँसना, नाचना, पढ़ना, गाना।
2. **(क)** (d); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** खा; **(ख)** खिल; **(ग)** पढ़ा; **(घ)** जा
4. **(क)** सतीश पौधों को पानी दे रहा है।
   (ख) दादी जी पलंग पर आराम कर रही हैं।
   (ग) खेत में फसल उग रही है।
   (घ) नौकरानी कपड़े धो रही है।
5. जीतना – हमारे विद्यालय की टीम जीत गई।
   मिलना – आज मुझे मेरा पुराना मित्र मिला।
   खिलाना– हमें गरीबों को खाना खिलाना चाहिए।
   पढ़ना – हम स्कूल में पढ़ने जाते हैं।
   लिखना – मुझे पिताजी को पत्र लिखना है।
   चढ़ना – छिपकली दीवार पर चढ़ गई।
   नाचना – ललिता बहुत सुन्दर नाचती है।
   पीना – मैंने अपना दूध पी लिया है।

11 विलोम शब्द : विपरीत अर्थ वाले शब्द

1. **(क)** विपरीत (उल्टे) अर्थ वाले शब्दों को; **(ख)** सुन्दर-कुरूप, कायर-वीर, शान्त-अशान्त
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (a)
3. **(क)** पश्चिम, अस्त; **(ख)** अनेक; **(ग)** कायर; **(घ)** जल्दी; **(ङ)** जीत; **(च)** दिन
4. **(क)** जीत; **(ख)** झूठ; **(ग)** आलसी; **(घ)** वीर; **(ङ)** भारी; **(च)** अस्वस्थ; **(छ)** अनेक; **(ज)** कुरुप; **(झ)** पतला; **(ञ)** दिन; **(ट)** उत्तर; **(ठ)** दूर; **(ड)** गोरा; **(ढ)** गरीब

12 पर्यायवाची शब्द : समान अर्थ वाले शब्द

1. **(क)** समान अर्थ वाले शब्दों को।
(ख) घर - गृह, सदन। पेड़ - वृक्ष, तरु।
2. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** परिश्रम; **(ख)** वस्त्र; **(ग)** वायु; **(घ)** ईश्वर; **(ङ)** जननी
4. **(क)** ✗; **(ख)** ✓; **(ग)** ✓; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✓
5. **(क)** वृक्ष; **(ख)** जननी; **(ग)** नभ; **(घ)** पुष्प; **(ङ)** रात्रि

13 शब्द-समूहों (वाक्यांशों) के लिए एक शब्द

1. **(क)** इससे भाषा सरल और आसानी से समझ आ जाती है।; **(ख)** अनाथ
2. **(क)** (b); **(ख)** (d); **(ग)** (a)
3. **(क)** वार्षिक; **(ख)** डॉक्टर; **(ग)** अनाथ; **(घ)** आलसी; **(ङ)** किसान
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✓
5. **(क)** पुस्तकालय; **(ख)** विद्यार्थी; **(ग)** अमर; **(घ)** परिश्रमी; **(ङ)** शाकाहारी; **(च)** स्वदेशी
6. **(क)** (ii); **(ख)** (v); **(ग)** (iv); **(घ)** (iiii); **(ङ)** (i)
7. **(क)** कभी न मरने वाला; **(ख)** प्रतिदिन होने वाला; **(ग)** कपड़े धोने वाला; **(घ)** दूसरों से डरने वाला; **(ङ)** मिठाइयाँ बनाने वाला; **(च)** दूसरे देश की वस्तु

14 मुहावरे

1. **(क)** विशेष अर्थ वाले वाक्यांशों को।
(ख) छात्र स्वयं करें।
2. **(क)** (c); **(ख)** (a); **(ग)** (c); **(घ)** (b)
3. **(क)** (iv); **(ख)** (i); **(ग)** (v); **(घ)** (ii); **(ङ)** (iii)
4. **(क)** बहुत प्यारा।
जानकी का एकमात्र पुत्र रमन उसकी आँखों का तारा है।
(ख) बहुत परेशान करना।
कुत्तों ने सुबह से भौंक-भौंक कर नाक में दम कर दिया है।
(ग) शाबाशी देना।
कक्षा में प्रथम आने पर अध्यापक जी ने किशन की पीठ थपथपाई।
(घ) निश्चिन्त होकर सोना।
अपना गृह कार्य निपटाकर कपिल घोड़े बेचकर सो गया।
(ङ) भाग जाना।
माली के आते ही फूल तोड़ते बालक नौ दो ग्यारह हो गए।

(च) असर न होना।
रमेश को कितना भी समझा लो उसके कान पर जूँ नहीं रेंगती।
(छ) साफ मना कर देना।
उधार के पैसे माँगने पर रामदीन ने गंगाधर को अँगूठा दिखा दिया।

15 अशुद्धियाँ

1. **(क)** (c); **(ख)** (b); **(ग)** (a)
2. **(क)** परिणाम; **(ख)** रुपया; **(ग)** मूर्ख; **(घ)** दुर्घटना; **(ङ)** शरीर; **(च)** परमात्मा; **(छ)** क्रोध; **(ज)** आश्चर्य
3. अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं- वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ तथा वाक्य सम्बन्धी अशुद्धियाँ।

16 पत्र-लेखन

1. **(क)** (b); **(ख)** (b); **(ग)** (d)
2. त्यागी छात्रावास
पश्चिमी कचहरी रोड, मेरठ।
पूज्य! माताजी
सादर चरण स्पर्श!

मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी तरह से चल रही है। मेरे कुछ सहपाठियों ने प्रातःकाल सैर का कार्यक्रम बनाया है। मेरा कोट पुराना हो गया है और एक दो जगहों से फट भी गया है। कृपया आप मेरे लिए एक स्वेटर बना दीजिए। रंग का चयन आप स्वयं कर लीजिएगा। स्वाति को ढेर-सारा प्यार और पिताजी को चरण-स्पर्श।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
आलोक जैन

17 निबंध-लेखन

1. **(क)** (d); **(ख)** (a); **(ग)** (c)

18 कहानी-लेखन

1. **(क)** (d); **(ख)** (b); **(ग)** (d)

मॉडल प्रश्न-पत्र-I

1. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (b)
2. **(क)** मौखिक; **(ख)** अयोगवाह; **(ग)** वर्ण; **(घ)** निरर्थक; **(ङ)** संज्ञा
3. **(क)** ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
4. **(क)** किसी भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने और पढ़ने के नियम व्याकरण कहलाता है।
   (ख) मात्राएँ चार प्रकार से लगाई जाती हैं।
   (ग) शब्दों का ऐसा सार्थक समूह जिसका कोई अर्थ होता है, वाक्य कहलाता है।
   (घ) जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से संबंध होता है तथा जो दो वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

मॉडल प्रश्न-पत्र-II

1. **(क)** (a); **(ख)** (c); **(ग)** (b)
2. **(क)** अस्वस्थ; **(ख)** कपड़े; **(ग)** अनेक; **(घ)** ईश्वर; **(ङ)** चिकित्सक
3. **(क)** ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓
4. **(क)** उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
   (ख) साधारण कथन को विशेष ढंग से कहना मुहावरा कहलाता है।
   (ग) अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं।
   (घ) किसी विषय पर सामाजिक रूप से अपने विचारों को क्रम से लिखना निबंध कहलाता है।

SKILL Test – 1

1. (b); **2.** (a); **3.** (c); **4.** (b); **5.** (b); **6.** (c); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (a); **10.** (a); **11.** (d); **12.** (a)

SKILL Test – 2

1. (b); **2.** (b); **3.** (c); **4.** (b); **5.** (a); **6.** (c); **7.** (a); **8.** (d); **9.** (a); **10.** (b); **11.** (d); **12.** (c)

SKILL Test – 3

1. (b); **2.** (a); **3.** (b); **4.** (a); **5.** (c); **6.** (b); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (a); **10.** (c); **11.** (d); **12.** (c)

SKILL Test – 4

1. (b); **2.** (b); **3.** (d); **4.** (a); **5.** (b); **6.** (c); **7.** (a); **8.** (c); **9.** (d); **10.** (a); **11.** (c); **12.** (d)

व्याकरण-4

1 भाषा और व्याकरण

1. **(क)** मनुष्य की; **(ख)** दो; **(ग)** बाईस; **(घ)** फारसी में
2. **(क)** (c); **(ख)** (b); **(ग)** (d)
3. **(क)** मौखिक; **(ख)** देवनागरी; **(ग)** शब्द; **(घ)** शुद्ध; **(ङ)** शब्द, वाक्य
4. **(क)** ✗; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓
5. **(क)** अपने मन के भावों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए जिस साधन का प्रयोग किया जाता है, उसे भाषा कहते हैं। भाषा के दो भेद हैं– लिखित भाषा, मौखिक भाषा।
   (ख) किसी भाषा को लिखने की विधि उसकी लिपि कहलाती है।
   (ग) भाषा को शुद्ध रूप से बोलने, पढ़ने तथा लिखने के नियम सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है। व्याकरण के तीन विभाग होते हैं- वर्ण विचार, शब्द विचार तथा वाक्य विचार।
   (घ) भारत में बोली जाने वाली आठ भाषाएँ हैं- हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, संथाली, वोडो, कोंकणी।

2 वर्ण-विचार

1. **(क)** वर्ण; **(ख)** ऑ; **(ग)** रेफ व पदेन
2. **(क)** (a); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** गंगा; **(ख)** रजाई
4. **(क)** भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है।
   (ख) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) जिन वर्णों को बोलने में दूसरे किसी वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, उन्हें स्वर कहते हैं जैसे– आ, ई, ऊ, आदि तथा जिन वर्णों को बोलने में दूसरे वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं जैसे– क् + अ = क, घ् + आ = घा, आदि।
   (घ) दो व्यंजनों को इस प्रकार मिलाने से कि उनकी मूल पहचान समाप्त हो जाए, संयुक्त व्यंजन कहते हैं; जैसे- क् + ष = क्ष, त् + र = त्र, श् + र = श्र, ज् + ञ = ज्ञ।

3 शब्द-विचार

1. **(क)** 8 वर्णों से; **(ख)** वानी, वानव; **(ग)** चारपाई, पीताम्बर
2. **(क)** (a); **(ख)** (d); **(ग)** (b)
3. **(क)** शब्द; **(ख)** विदेशी; **(ग)** योगरूढ़; **(घ)** अविकारी; **(ङ)** गणेशजी
4. **(क)** शिवालय; **(ख)** रेलयात्रा; **(ग)** चिड़ियाघर; **(घ)** मेघदूत; **(ङ)** वर्षगाँठ; **(च)** टिकटघर; **(छ)** रेलगाड़ी; **(ज)** नासमझ

5. **(क)** काम; **(ख)** मुँह; **(ग)** आग; **(घ)** दोस्त; **(ङ)** आम; **(च)** रात; **(छ)** दही; **(ज)** घी

6. **(क)** वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
   (ख) शब्द दो प्रकार के होते हैं- सार्थक तथा निरर्थक।
   (ग) अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं- सार्थक तथा निरर्थक।
   (घ) जो शब्द वचन, लिंग, कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं, उन्हें विकारी शब्द तथा जो शब्द वचन, लिंग कारक के अनुसार नहीं बदलते हैं, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं।

4 संज्ञा

1. **(क)** वस्तुओं का; **(ख)** छात्र, अध्यापक, नदी, मकान; **(ग)** बुराई, गरमी, बचपन, बुढ़ापा
2. **(क)** (c); **(ख)** (b); **(ग)** (a)
3. **(क)** संज्ञा; **(ख)** तीन; **(ग)** भाववाचक; **(घ)** जातिवाचक
4. **(क)** (iii); **(ख)** (iv); **(ग)** (v); **(घ)** (i); **(ङ)** (ii)
5. **(क)** ✗; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓
6. **(क)** अशोक, मगध, राजा; **(ख)** लालकिला, किसान; **(ग)** पेड़, फल; **(घ)** कक्षा, बच्चे; **(ङ)** बचपन
7. **(क)** किसी वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे **वस्तु** - नदी, कार, प्राणी, शेर, महात्मा गांधी, **स्थान** - लालकिला, पटना, **भाव** - अमरता, बचपन, आदि।
   (ख) संज्ञा तीन प्रकार की होती हैं - व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, तथा भाववाचक।
   (ग) जो शब्द किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के गुण, दोष तथा स्थिति आदि भावों को प्रकट करते हैं, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

5 लिंग

1. **(क)** लिंग; **(ख)** पुल्लिंग; **(ग)** स्त्रीलिंग
2. **(क)** (a); **(ख)** (b); **(ग)** (c)
3. **(क)** स्त्री, पुरुष; **(ख)** पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग; **(ग)** स्त्रीलिंग; **(घ)** पुल्लिग **(ङ)** स्त्रीलिंग
4. **(क)** बालिका; **(ख)** छोटी; **(ग)** मादा; **(घ)** मीठी; **(ङ)** धोबिन; **(च)** हरी
5. **(क)** जिस शब्द से स्त्री अथवा पुरुष जाति का बोध होता है, लिंग कहलाता है।
   (ख) लिंग दो प्रकार के होते हैं- पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।
   (ग) जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध होता है, वह पुल्लिंग कहलाता है; जैसे- धोबी, शेर, आदि।
   (घ) जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, वह स्त्रीलिंग कहलाता है; जैसे- धोबिन, शेरनी, आदि।

6 वचन

1. **(क)** एकवचन; **(ख)** वस्तुएँ, गुड़ियाँ; **(ग)** आँसू, प्राण, हस्ताक्षर

2. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** रातें; **(ख)** चीजों; **(ग)** लड़के; **(घ)** लड़कियाँ
4. **(क)** महिलाएँ; **(ख)** बकरियाँ; **(ग)** वधू; **(घ)** चुहियाँ; **(ङ)** पुस्तकें; **(च)** मुर्गे; **(छ)** स्त्री; **(ज)** आँख
5. **(क)** माला; **(ख)** गाय; **(ग)** महीना; **(घ)** स्त्री; **(ङ)** वधू; **(च)** मोटा
6. **(क)** शब्द का वह रूप जिससे उसके एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, वचन कहलाता है; जैसे- कुत्ता (एक), कुत्ते (एक से अधिक)
   (ख) वचन दो प्रकार के होते हैं- एकवचन तथा बहुवचन।
   (ग) केवल बहुवचन में प्रयोग किए जाने वाले संज्ञा शब्द हैं- आँसू, प्राण, हस्ताक्षर, आदि।

7 सर्वनाम

1. **(क)** सभी नामों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला।
   (ख) प्रथम पुरुष।
   (ग) निजवाचक सर्वनाम।
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (b)
3. **(क)** उसकी; **(ख)** ये; **(ग)** अपना; **(घ)** क्या; **(ङ)** आप
4. **(क)** ✗; **(ख)** ✗; **(ग)** ✗; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✓
5. **(क)** हम; **(ख)** तुम्हारा; **(ग)** उन्हें; **(घ)** वे; **(ङ)** हमसें; **(च)** ये; **(छ)** इन्हें; **(ज)** उनको
6. **(क)** संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे- राम एक अच्छा लड़का है। वह प्रतिदिन स्कूल जाता है। यहाँ राम (संज्ञा) के स्थान पर वह सर्वनाम प्रयुक्त हुआ है।
   (ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं- पुरुषवाचक, संकेतवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक तथा निजवाचक
   (ग) जो सर्वनाम संज्ञा अथवा दूसरे सर्वनामों का परस्पर संबंध जोड़ते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- जो जैसा करेगा, वैसा ही पाएगा।
   (घ) जिन सर्वनाम शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु का निश्चित ज्ञान होता है, संकेतवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे- यह घड़ी उसकी है।

8 विशेषण

1. **(क)** विशेषण; **(ख)** गुण, संख्या, परिमाण आदि में; **(ग)** तीन
2. **(क)** (d); **(ख)** (b); **(ग)** (c)
3. **(क)** गोल; **(ख)** मधुर; **(ग)** अच्छे; **(घ)** भारी; **(ङ)** मोटा; **(च)** सुन्दर; **(छ)** पाँच; **(ज)** हरी
4. **(क)** (ii); **(ख)** (iii); **(ग)** (i); **(घ)** (v); **(ङ)** (vi); **(च)** (iv)
5. **(क)** संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं; जैसे– काला कोट, सुन्दर महिला, आदि।
   (ख) विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा सार्वनामिक।
   (ग) जो शब्द संज्ञा शब्दों की माप-तोल बताते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; इसके दो भेद हैं– 1. निश्चित परिमाणवाचक, 2. अनिश्चित परिमाणवाचक।

(घ) व्यक्तियों, वस्तुओं या स्थानों के गुण-दोष बताने या उनका मिलान करने को तुलना या विशेषण की अवस्था कहते हैं। विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं-

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
लघु	लघुत्तर	लघुत्तम

9 क्रिया

1. **(क)** क्रिया; **(ख)** हथियाना, धिक्काना, अकड़ना; **(ग)** अकर्मक क्रिया
2. **(क)** (d); **(ख)** (b); **(ग)** (b)
3. **(क)** लिखती है।; **(ख)** लाई हैं।; **(ग)** जाती है।; **(घ)** दौड़ता है।
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✓; **(ग)** ✗; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✓
5. **(क)** जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं; जैसे- रचना आम खाती है।
   (ख) क्रिया की रचना धातु, विशेषण तथा संज्ञा द्वारा होती है; जैसे- पढ़ (धातु) + ना = पढ़ना, गरम (विशेषण) गरमाना, हाथ + (संज्ञा) = हथियाना।
   (ग) क्रिया मुख्यतः दो प्रकार की होती है- सकर्मक तथा अकर्मक।
   (घ) सकर्मक क्रिया में कर्म होता है जबकि अकर्मक क्रिया में कर्म नहीं होता है।

10 वाक्य

1. **(क)** वाक्य; **(ख)** उद्देश्य; **(ग)** शान्त रहिए।
2. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (c)
3. **(क)** राम कक्षा चार में पढ़ता है।
   (ख) गाय के दो सींग होते हैं।
   (ग) राम ने रावण का वध किया।
   (घ) क्या तुम दोनों घूमने जाते हो?
   (ङ) दिव्या और रानी आज मेला जाएँगी।
4. **(क)** उद्देश्य - बच्चेः विधेय - खेल रहे हैं।
   (ख) उद्देश्य - रामः विधेय - दिल्ली जाता है।
   (ग) उद्देश्य - वहः, विधेय - कौन है?
   (घ) उद्देश्य - विद्यार्थीः, विधेय - पुस्तक पढ़ेंगे।
5. **(क)** ✗; **(ख)** ✓; **(ग)** ✓; **(घ)** ✗; **(ङ)** ✓
6. **(क)** शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।
   (ख) वाक्य के दो अंग होते हैं- उद्देश्य तथा विधेय।
   (ग) वाक्य चार प्रकार के होते हैं-
   (i) साधारण वाक्य - अजय खेलता है। (ii) प्रश्नवाचक वाक्य - क्या अजय खेलता है?
   (iii) आज्ञार्थक वाक्य - अजय खेलो। (iv) विस्मयादिबोधक वाक्य - अरे! अजय खेल रहा है।

11 विलोम या विपरीतार्थक शब्द

1. **(क)** लाभ; **(ख)** नरक; **(ग)** अवगुण; **(घ)** निराशा; **(ङ)** उठना; **(च)** जीत; **(छ)** छोटा; **(ज)** अशुभ; **(झ)** हँसना; **(ञ)** विष
2. **(क)** दिन; **(ख)** विष; **(ग)** हानि; **(घ)** बड़ा
3. **(क)** (v); **(ख)** (iii); **(ग)** (iv); **(घ)** (ii); **(ङ)** (i)
4. **(क)** परस्पर विपरीत (उल्टा) अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
   (ख) कुछ शब्द तथा उनके विलोम हैं- निकट-दूर, जीवन-मृत्यु, खट्टा-मीठा, स्वर्ग-नरक, आदि।

12 पर्यायवाची शब्द

1. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (c)
2. **(क)** सरिता; **(ख)** विटप; **(ग)** शशि
3. **(क)** (iv); **(ख)** (i); **(ग)** (ii); **(घ)** (iii); **(ङ)** (v)
4. जिन शब्दों के अर्थ लगभग समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं, जैसे- दिनकर, रवि तथा आदित्य का अर्थ सूर्य है। अतः ये सूर्य के पर्यायवाची हैं।

13 अनेक शब्दों/वाक्यांशों के लिए एक शब्द

1. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (d)
2. **(क)** अमित उत्तीर्ण हो गया।; **(ख)** अजय वक्ता है।; **(ग)** निधि आस्तिक है।; **(घ)** कोयल मृदुभाषी है।
3. **(क)** (ii); **(ख)** (iii); **(ग)** (v); **(घ)** (i); **(ङ)** (iv)

14 विराम-चिह्न

1. **(क)** (b); **(ख)** (a); **(ग)** (d)
2. **(क)** (iv); **(ख)** (iii); **(ग)** (v); **(घ)** (ii); **(ङ)** (vi); **(च)** (i)
3. भाषा में थोड़ा या अधिक रुकने के लिए विराम की आवश्यकता होती है।

15 अशुद्धि-शोधन

1. **(क)** अधीन; **(ख)** शुरू; **(ग)** कुमुदिनी; **(घ)** शून्य; **(ङ)** सामाजिक
2. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✗; **(घ)** ✓; **(ङ)** ✗; **(च)** ✓

16 मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

1. (क) अधिक लाभ प्राप्त करना – बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी लगने पर राकेश **चाँदी काट रहा** है।
   (ख) चापलूसी करना – रमेश तो हर समय अपने अफ़सर के **तलवे चाटता रहता** है।
   (ग) चालाकी भरे काम करना – इस बालक की सूरत पर मत जाओ, यह बड़ों-बड़ों के **कान काटता** है।
   (घ) काम में बाधा डालना – राजेश को तो बनते काम में **टाँग अड़ाने** की आदत है।
   (ङ) गुप्त रहना – भारतीय क्रिकेट टीम शहर में आकर चली गई और किसी को **कानों-कान खबर तक न हुई**।
2. (क) (viii); (ख) (vii); (ग) (v); (घ) (ii); (ङ) (vi); (च) (iv); (छ) (i); (ज) (iii)

17 अपठित गद्यांश

1. (क) परीक्षा कक्ष का दृश्य बड़ा नाटकीय होता है।
   (ख) प्रश्न-पत्र बँटने से पहले कुछ परीक्षार्थी अपने नोट्स पढ़ने लगे कुछ बड़बड़ाने तथा कुछ अपने अनुमानों का अस्फुट स्वर में उच्चारण करने लगे।
   (ग) नियमित अध्ययन करने वाले परीक्षार्थियों के चेहरे आशा और आत्मविश्वास से चमक रहे थे।
   (घ) घंटी बजने पर अधीक्षक ने अपनी किताबें तथा कोई अन्य सामग्री सौंप देने को कहा।
   (ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'परीक्षा कक्ष का दृश्य' है।

18 अनुच्छेद-लेखन

छात्र स्वयं करें।

19 कहानी-लेखन

छात्र स्वयं करें।

21 निबन्ध-लेखन

छात्र स्वयं करें।

मॉडल प्रश्न-पत्र-I

1. **(क)** (c); **(ख)** (c); **(ग)** (a)

2. **(क)** शब्द, वाक्य; **(ख)** वर्णमाला; **(ग)** योगरूढ़; **(घ)** तीन; **(ङ)** हरी

3. **(क)** ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✗

4. **(क)** किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं, जैसे– मदन, लालकिला, मेज, बुढ़ापा, आदि।

(ख) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे– मैं, वह, तुम, आदि।

(ग) जिस वाक्य में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं तथा जिस वाक्य में कर्म नहीं होता, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

(घ) भाषा में थोड़ा या अधिक रुकने के लिए विराम की आवश्यकता होती है।

मॉडल प्रश्न-पत्र-II

1. **(क)** (b); **(ख)** (b); **(ग)** (a)

2. **(क)** पुल्लिंग; **(ख)** अन्धकार; **(ग)** निरक्षर (अनपढ़); **(घ)** अड़चन डालना; **(ङ)** वायु

3. **(क)** ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓

4. **(क)** उल्टा या विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

(ख) समान अर्थ बताने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

(ग) कुछ शब्दों का समूह या वाक्यांश जिसका अर्थ विशेष होता है, मुहावरा कहलाता है।

(घ) लोकोक्ति सम्पूर्ण वाक्य होती है इसका प्रयोग स्वतन्त्र रूप से होता है।

SKILL Test – 1

1. (b); **2.** (c); **3.** (d); **4.** (c); **5.** (d); **6.** (a); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (a); **10.** (c); **11.** (d); **12.** (c); **13.** (b); **14.** (a); **15.** (d)

SKILL Test – 2

1. (c); **2.** (b); **3.** (a); **4.** (a); **5.** (d); **6.** (c); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (b); **10.** (c); **11.** (d); **12.** (c); **13.** (a); **14.** (c); **15.** (d)

SKILL Test – 3

1. (c); **2.** (b); **3.** (d); **4.** (b); **5.** (c); **6.** (a); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (c); **10.** (c); **11.** (b); **12.** (c); **13.** (c); **14.** (d); **15.** (b)

SKILL Test – 4

1. (b); **2.** (a); **3.** (c); **4.** (a); **5.** (d); **6.** (b); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (a); **10.** (b); **11.** (d); **12.** (b); **13.** (b); **14.** (c); **15.** (c)

व्याकरण-5

1 भाषा और व्याकरण

1. **(क)** भाषा के; **(ख)** क्यूनीफार्म; **(ग)** बोली - अवधी, हरियाणवी, भाषा - हिंदी, तमिल।
2. **(क)** (b); **(ख)** (d)
3. **(क)** लिखित; **(ख)** चित्रात्मक; **(ग)** लिपि; **(घ)** व्याकरण
4. **(क)** भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपनी बातों को दूसरों को समझाते तथा दूसरों की बातों को स्वयं समझते हैं।
   (ख) आपसी बोलचाल की भाषा को बोली कहते हैं।
   (ग) किसी भाषा को जिन संकेत-चिह्नों द्वारा लिखा जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं।
   (घ) व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम शुद्ध बोलना, लिखना तथा पढ़ना सीखते हैं।

2 वर्ण-विचार

1. **(क)** शब्द; **(ख)** गई, उठ, पाएगा; **(ग)** ह्रस्व स्वर से तीन गुना
2. **(क)** (b); **(ख)** (c); **(ग)** (a)
3. **(क)** (iii); **(ख)** (iv); **(ग)** (v); **(घ)** (ii); **(ङ)** (i)
4. **(क)** ट्ट – सट्टा, बट्टा; **(ख)** द्य – विद्या, हृद्य; **(ग)** क्ष – कक्षा, क्षत्रिय; **(घ)** ह्न – चिह्न, अपराह्न; **(ङ)** न्न – अन्न, प्रसन्न; **(च)** द्ध – अर्द्ध, शुद्ध
5. **(क)** भाषा की वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके पुनः टुकड़े न किए जा सके, वर्ण कहलाती है।
   (ख) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) जिन वर्णों को किसी दूसरे वर्ण की सहायता के बिना बोला जा सके, स्वर कहलाते हैं। इनके तीन भेद होते हैं- ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर, प्लुत् स्वर।
   (घ) जिन वर्णों को किसी दूसरे वर्ण की सहायता से बोला जा सके, व्यंजन कहते हैं। व्यंजन के दो रूप होते हैं-स्वर रहित व्यंजन (हल् रूप) तथा स्वर सहित व्यंजन।

3 शब्द-विचार

1. **(क)** तत्सम शब्द - दधि, सूर्य, तद्भव शब्द - दही, सूरज।
   (ख) विकारी शब्द - संज्ञा, सर्वनाम, अविकारी शब्द - क्रिया-विशेषण, संबंधबोधक।
   (ग) नीलकण्ठ, हिमालय।
2. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (a)

3. **विकारी शब्द** - यह, मेज, वह, लड़का, चलना, अच्छा, हम।
अविकारी शब्द - पर, आह, धीरे, तेज, ऊपर।

4. **(क)** वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं; जैसे- केला (एक फल का नाम)।
(ख) शब्द को चार आधारों पर वर्गीकृत किया जा सकता है- अर्थ के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, प्रयोग के आधार पर तथा बनावट के आधार पर।

4 संज्ञा

1. **(क)** नाम; **(ख)** बचपन, बुराई; **(ग)** विद्यालय, नदी
2. **(क)** (a); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** शत्रुता; **(ख)** परायापन; **(ग)** यौवन; **(घ)** थकावट; **(ङ)** मधुरता; **(च)** रक्षा
4. **(क)** ✓; **(ख)** ✗; **(ग)** ✓; **(घ)** ✓
5. **(क)** गौरव, लालकिला, अमेरिका; **(ख)** देश, छात्र, अध्यापक; **(ग)** बुढ़ापा, मधुरता, बल
6. **(क)** किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– प्राणी - शेर, वस्तु - पत्थर, स्थान - अस्पताल, भाव - बचपन।
(ख) संज्ञा के तीन भेद होते हैं- व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक।
(ग) किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं जबकि जिस शब्द से किसी प्राणी, वस्तु या स्थान के गुण-दोष या अवस्था का बोध होता है। भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।
(घ) भाववाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञाओं, विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों से बनाई जाती हैं।

5 वचन

1. **(क)** वचन
(ख) एकवचन, बहुवचन
(ग) क्रिया शब्दों के द्वारा भी एक या एक से अधिक का बोध कराया जाता है।
(घ) चिड़ियाँ, गुड़ियाँ
2. **(क)** (a); **(ख)** (b); **(ग)** (c)
3. **(क)** एक; **(ख)** एकवचन; **(ग)** बहुवचन; **(घ)** क्रिया
4. **(क)** गाय; **(ख)** दिया; **(ग)** सड़क; **(घ)** सुई
5. **(क)** विद्यार्थीगण; **(ख)** मजदूरवर्ग; **(ग)** गुरुजन; **(घ)** नेतागण
6. **(क)** शब्द के जिस रूप से एक अथवा एक से अधिक की संख्या का बोध होता है, वचन कहलाता है। कुत्ता (एक), कुत्ते (एक से अधिक)।
(ख) वचन के दो भेद होते हैं- एकवचन तथा बहुवचन।
(ग) वचन की पहचान मुख्यतः दो रूपों में होती है- संज्ञा या सर्वनाम द्वारा तथा क्रिया द्वारा।

6 लिंग

1. **(क)** शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चले, लिंग कहलाता है।
   (ख) लिंग की पहचान हम क्रिया के आधार पर करते हैं।
   (ग) 'अ को आ' - छात्र-छात्रा, बालक-बालिका, 'आन' को 'अती' - भाग्यवान-भाग्यवती, श्रीमान-श्रीमती।
2. **(क)** (c); **(ख)** (d); **(ग)** (d)
3. **(क)** बन्दरिया; **(ख)** माताजी; **(ग)** कवयित्री; **(घ)** मजदूरिन; **(ङ)** अध्यापिका
4. **(क)** कवयित्री; **(ख)** सम्राट; **(ग)** देवी; **(घ)** मालकिन; **(ङ)** नौकर; **(च)** धोबी; **(छ)** वृद्धा; **(ज)** शेर; **(झ)** मामी।
5. **(क)** शब्द के जिस रूप से पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध होता है, लिंग कहलाता है। जैसे- लड़का (पुरुष जाति), लड़की (स्त्री-जाति)।
   (ख) लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिग और स्त्रीलिंग।
   पुल्लिग– जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध होता है, पुल्लिग कहलाता है। जैसे– लड़का, कवि, आदि।
   स्त्रीलिंग– जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, स्त्रीलिंग कहलाता है। जैसे– लड़की, कवयित्री, आदि।

7 कारक

1. **(क)** परसर्ग।
   (ख) अनिल के लिए, मोना के लिए
   (ग) जेब में, टीले पर।
2. **(क)** (c); **(ख)** (c); **(ग)** (d)
3. **(क)** से; **(ख)** के; **(ग)** से; **(घ)** में
4. **(क)** पिताजी रेलगाड़ी के द्‌वारा दिल्ली गए।
   (ख) भैया को समाचार दे दो।
   (ग) राम ने पत्र लिखा।
   (घ) अरे! यह क्या हो गया।
5. **(क)** अधिकरण; **(ख)** सम्प्रदान; **(ग)** करण
6. **(क)** वाक्य में किसी शब्द का दूसरे शब्द से संबंध बताने वाले चिह्न कारक कहलाते हैं।
   (ख) कारक के आठ भेद होते हैं।
   (ग) शब्द स्वतन्त्र अवस्था में होता है किंतु वाक्य में प्रयोग होने के बाद शब्द पद में बदल जाता है।

8 सर्वनाम

1. **(क)** सर्वनाम।
   (ख) छः।

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम।

2. (क) (b); (ख) (a); (ग) (d)

3. (क) तुम; (ख) ये; (ग) अपना; (घ) क्या

4. (क) मैं दिल्ली जा रहा हूँ — पुरुषवाचक

(ख) उसकी माँ ने खाना बनाया। — पुरुषवाचक

(ग) यह मेरा पेन है। — निश्चयवाचक

(घ) उसने अपना काम कर लिया। — निजवाचक

5. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। अखिल एक छोटा बालक है। उसके पिताजी स्टेशन मास्टर हैं। यहाँ 'अखिल' के स्थान पर 'उसके' शब्द का प्रयोग हुआ है। 'उसके' सर्वनाम शब्द है।

(ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं- पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक तथा निजवाचक।

9 विशेषण

1. (क) विशेषण।

(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, संकेतवाचक।

(ग) चार किग्रा. आठ लीटर, दो मीटर।

2. (क) (b); (ख) (d); (ग) (a)

3. (क) गुणवाचक; (ख) गुणवाचक; (ग) संख्यावाचक

4. (क) (ii); (ख) (i); (ग) (v); (घ) (iii); (ङ) (iv)

5. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं; जैसे- अच्छा लड़का, दो गुब्बारे।

(ख) विशेषण जिनकी विशेषता बताते हैं, विशेष्य कहलाते है; जैसे- 'नीली कमीज' में 'कमीज' विशेष्य है।

(ग) विशेषण के चार भेद होते हैं- गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक तथा संकेतवाचक।

10 क्रिया

1. (क) अकर्मक।

(ख) धातु।

(ग) सामान्य, संयुक्त, नामधातु, प्रेरणार्थक, पूर्वकालिक।

2. (क) (d); (ख) (b); (ग) (b)

3. (क) क्रिया; (ख) धातु; (ग) पाँच; (घ) दो; (ङ) कर्म

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

5. (क) श्वेता स्कूल जाती है। — सामान्य

(ख) कबूतर उड़ गया। — संयुक्त

(ग) अध्यापक छात्र से कथा सुनवाता है। — प्रेरणार्थक

(घ) कक्षा में सभी बच्चे बतिया रहे हैं। — नामधातु

(ङ) रमन पत्र लिख चुका है। — संयुक्त

(च) रमेश अभी खेलकर आया है। पूर्वकालिक

6. (क) जिस शब्द से किसी कार्य का करने या होने का बोध होता है, क्रिया कहते हैं। जैसे- राधा स्कूल जाती है, में स्कूल जाने का बोध हो रहा है। अतः 'जाती है' क्रिया है।

(ख) कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं- अकर्मक तथा सकर्मक। जिस क्रिया के साथ कर्म होता है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– सोनम हँसती है तथा जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– अमित ने आम खाया।

(ग) संरचना की दृष्टि से क्रिया के पाँच भेद हैं- सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया तथा पूर्वकालिक क्रिया।

11 काल

1. (क) क्रिया के होने का समय।
   (ख) सुधीर पुस्तक पढ़ता है।, रमन खेल रहा है।
   (ग) कपिल ने खाना खाया। श्याम घर जा रहा था।
2. (क) (c); (ख) (a); (ग) (b)
3. (क) क्रिया के होने का समय; (ख) तीन; (ग) तीन; (घ) भविष्यत
4. (क) बच्चे दौड़ रहे थे।
   (ख) बादल गरज रहे थे।
   (ग) गाय बाहर खड़ी थी।
   (घ) वर्षा हो रही थी।
5. (क) आ रही है; (ख) छुड़ा दिए; (ग) पीएगा; (घ) मनाई
6. (क) क्रिया के होने के समय को काल कहते हैं; जैसे- मीरा रोती है, मीरा रोई, मीरा रोएगी।
   (ख) काल तीन प्रकार के होते हैं- वर्तमानकाल, भूतकाल तथा भविष्यतकाल।

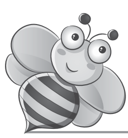

12 अविकारी शब्द

1. (क) अव्यय।
   (ख) धीरे-धीरे, दूर, पास।
   (ग) विस्मयादिबोधक।
2. (क) (b); (ख) (a); (ग) (d)
3. (क) अरे; (ख) वाह!; (ग) शाबाश!; (घ) ओह!; (ङ) आह!
4. (क) क्रिया-विशेषण - जितना, उतना भेद - रीतिवाचक
   (ख) क्रिया-विशेषण - बाद में भेद - कालवाचक
   (ग) क्रिया-विशेषण - सरपट भेद - परिमाणवाचक
   (घ) क्रिया-विशेषण - खूब भेद - परिमाणवाचक
   (ङ) क्रिया-विशेषण - इधर-उधर भेद - स्थानवाचक
5. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
6. (क) के कारण; (ख) जितना; (ग) पास; (घ) सभी में; (ङ) तरह

7. (क) के सामने; (ख) पहले; (ग) अब तक; (घ) डर के मारे; (ङ) से बाहर
8. (क) जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता है।
   (ख) अविकारी शब्द के चार भेद होते हैं- क्रियाविशेषण, सम्मुच्यबोधक, सम्बन्धबोधक तथा विस्मयादिबोधक।
   (ग) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं जैसे– सोनम उदास बैठी है।
   (घ) समुच्चयबोधक के तीन भेद होते हैं- विकल्पसूचक, संयोजक तथा विभाजक।
   विकल्पसूचक– जो समुच्चबोधक शब्द विकल्प का बोध कराते हैं, उन्हें विकल्पसूचक कहते हैं जैसे– या, अथवा, आदि।

13 वाक्य-विचार

1. (क) वाक्य।
   (ख) उद्देश्य तथा विधेय।
   (ग) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं।
2. (क) (a); (ख) (c); (ग) (b)
3. (क) उद्देश्य - अमिता विधेय - खेल रही है।
   (ख) उद्देश्य - दादाजी विधेय - अखबार पढ़ रहे हैं।
   (ग) उद्देश्य - निधि ने विधेय - गाना गाया।
   (घ) उद्देश्य - मम्मी विधेय - चाय बना रही हैं।
   (ङ) उद्देश्य - हरीश विधेय - पास हो गया।
4. (क) शायद मैं आपके साथ जाऊँगा।
   (ख) अरे! कल कौन आया था?
   (ग) यदि तुम परिश्रम करते तो अवश्य ही सफल होते।
   (घ) क्या भगवान तुम्हारा भला करेगा?
5. (क) शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।
   (ख) रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं–
   सरल वाक्य– ये वाक्य संरचना में बहुत ही सरल तथा आसान होते हैं, जैसे– सोहन बाजार जा रहा है।
   संयुक्त वाक्य– इन वाक्यों में दो शब्दों या वाक्यों को संयोजक द्वारा जोड़ा जाता है, जैसे– अध्यापक ने बोला और हमने सुना।
   मिश्र वाक्य– इन वाक्यों में एक प्रधान वाक्य तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य होता है, जैसे– अमिता देख रही थी कि कमरे में कोई आया है।
   (ग) अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं–
   साधारण वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य, आज्ञावाचक वाक्य, निषेधवाचक वाक्य, इच्छावाचक वाक्य, सन्देहवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य, विस्मयादिबोधक वाक्य।

14 शब्द-भंडार

1. (क) हित-अहित, प्रकाश-अंधकार।
   (ख) आँख - नयन, चक्षु लोचन; पिता - जनक, तात, बाप।

(ग) बाल - केश, बच्चा, बालक; दल - समूह, सेना, हिस्सा।

2. (क) (d); (ख) (b); (ग) (c)
3. (क) वासर, दिवा, समय, दिवस; (ख) पेड़, विटप, तरू, नग; (ग) अंधकार, तम, तिमिर, तमस
4. (क) सिक्का, मुख; (ख) मतलब, धन; (ग) पर्वत, वृक्ष; (घ) चाल, दशा; (ङ) आकाश, वस्त्र; (च) खाली, बिन्दु
5. (क) नीचे; (ख) पाद; (ग) गरीब; (घ) जलचर
6. (क) (vii); (ख) (i); (ग) (iv); (घ) (iii); (ङ) (vi); (च) (viii); (छ) (ii); (ज) (v)
7. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗; (ङ) ✗
8. (क) परस्पर विपरीत (उल्टा) अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं; जैसे- मृदु-कटु।

   (ख) जिन शब्दों का अर्थ लगभग समान होता है, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं, जैसे– पेड़ - वृक्ष, तरू, आदि।।

   (ग) जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं, जैसे– तात - भाई, पिता, आदि।।

   (घ) वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा में सुंदरता आती है तथा समय व श्रम की बचत होती है।

15 मुहावरे और लोकोक्तियाँ (कहावतें)

1. (क) मूर्ख।
   सुदेश वास्तव में अक्ल का अंधा है, वह रविवार को भी स्कूल जा रहा है।

   (ख) डराना।
   अध्यापक के आँख दिखाते ही सभी छात्र चुप हो गए।

   (ग) होशियार हो जाना, सावधान हो जाना।
   प्रधानाचार्य के आते ही सभी विद्यार्थियों के कान खड़े हो गए।

   (घ) बहुत कठिन काम करना।
   परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए लोहे के चने चबाने पड़ते हैं।

   (ङ) काम न बनना।
   मोहन, तुम यहाँ बेकार पड़े हो, यहाँ तुम्हारी दाल नहीं गलेगी।
2. (क) (v); (ख) (iv); (ग) (i); (घ) (ii); (ङ) (vii); (च) (viii); (छ) (iii); (ज) (vi)

16 विराम-चिह्न

1. (क) पढ़ते या लिखते समय ठहराव।

   (ख) वाक्यों को सुन्दर बनाने के लिए।

   (ग) पूर्ण विराम - वाक्य के बाद, प्रश्नवाचक - प्रश्नवाचक वाक्य के बाद।
2. (क) (a); (ख) (b)
3. (क) (iii); (ख) (i); (ग) (vi); (घ) (ii); (ङ) (iv); (च) (v)
4. (क) अरे! तुम तो बहुत अच्छे हो।

   (ख माँ, मैं भी तुम्हारे साथ जाऊँगी।

   (ग) डॉ० साहब पापा से मिलने आए।

   (घ) मजदूर दिन-रात काम क्यों करता है?

   (ङ) सोनू, मोनू बाजार नहीं गए।

17 शब्द एवं वाक्य अशुद्धि-संशोधन

1. (क) गृहस्थ; (ख) आशीर्वाद; (ग) ऐतिहासिक; (घ) अतिथि; (ङ) परमात्मा; (च) विश्वास; (छ) आयु; (ज) दर्शन; (झ) ॠतु; (ञ) उज्ज्वल; (ट) ईश्वर; (ठ) प्रतीक्षा
2. (क) मुझे दिल्ली जाना है।
   (ख) वह फल खाना चाहता है।
   (ग) वह मेरा छोटा भाई है।
   (घ) उन्होंने तुम्हारा नाम पूछा था।
   (ङ) राम ने सोचा कि यह श्याम की पुस्तक है।

18 अपठित गद्यांश

1. दिलवाड़े के दो प्रसिद्ध जैन मन्दिर हैं– नेमिनाथ जी का तथा आदिनाथ जी का।
2. सोने की मूर्ति नेमिनाथ के मन्दिर में है।
3. संगमरमर की कलाकृतियाँ आदिनाथ जी के मंदिर में हैं।
4. नेमिनाथ का मन्दिर बाहर से इतना आकर्षक नहीं लगता है।
5. दोनों मन्दिरों में आदिनाथ का मन्दिर बड़ा है।
6. विशाल - बड़ा
   हमारा विद्यालय एक बड़ी इमारत में है।
   आकर्षक - अपनी ओर खींचने वाला
   दिलवाड़ा का मन्दिर बड़ा आकर्षक है।
   अपूर्व - अद्वितीय – नेमिनाथ के मन्दिर के वातावरण में अपूर्व शान्ति थी।
   अपेक्षा - तुलना में
   मेरठ की तुलना में नोएडा एक बड़ा नगर है।
   कलाकृति - मूर्तियाँ
   प्राचीन समय की कलाकृतियाँ आकर्षक हैं।
7. इस गद्यांश का शीर्षक 'दिलवाड़ा का मन्दिर' है।
8. दिलवाड़े के जैन मन्दिरों में से नेमिनाथ जी और आदिनाथ जी के मन्दिर प्रमुख हैं। नेमिनाथ जी का मन्दिर बाहर की अपेक्षा अन्दर से आकर्षक है। इसी मन्दिर के निकट आदिनाथ जी का मंदिर है। जिसे तेजपाल और वस्तुपाल नामक दो भाइयों ने बनवाया था जो पूरा संगमरमर का बना हुआ है। मन्दिर के मुख्य भाग में बनी संगमरमर की कला-कृतियाँ सोने के पानी की नक्काशी से इनका सौन्दर्य निखर गया है, जिसे देखने से ऐसा लग रहा था जैसे किसी दूसरे लोक में पहुँच गए हों।

19 संवाद-लेखन

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

20 कहानी-लेखन

छात्र स्वयं करें।

21 पत्र-लेखन

छात्र स्वयं करें।

22 निबंध-लेखन

छात्र स्वयं करें।

मॉडल प्रश्न-पत्र-I

1. **(क)** (b); **(ख)** (b); **(ग)** (a)
2. **(क)** चित्रात्मक; **(ख)** कुआँ; **(ग)** अपना; **(घ)** के; **(ङ)** दो
3. **(क)** ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓
4. **(क)** जो शब्द बिना किसी वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं, वे स्वर कहलाते हैं। इसके तीन भेद हैं।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा– जिस शब्द से किसी विशेष प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
भाववाचक संज्ञा– जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के गुण-दोष, दशा या अवस्था का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
(ग) वाक्य में किसी शब्द का दूसरे शब्द से सम्बन्ध बताने वाले चिह्न कारक या परसर्ग कहलाते हैं, जैसे– ने, में, पर, आदि।
(घ) सर्वनाम के छः भेद हैं– पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक।

मॉडल प्रश्न-पत्र-II

1. **(क)** (b); **(ख)** (b); **(ग)** (a)
2. **(क)** बहुवचन; **(ख)** अनुतीर्ण; **(ग)** आग; **(घ)** अन्त; **(ङ)** अटल रहना
3. **(क)** ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓
4. **(क)** समुच्चयबोधक के तीन भेद होते हैं– विकल्पसूचक, संयोजन और विभाजक।
विभाजक– जो समुच्चयबोधक शब्द भेद प्रकट करते हुए दो वाक्यांशों को मिलाते हैं, उन्हें विभाजक कहते हैं, जैसे– मगर, परन्तु, ताकि, आदि।
(ख) लिखित भाषा में विराम देने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।
तीन विराम-चिह्नों के नाम इस प्रकार हैं– पूर्णविराम (।), अल्पविराम (,) और अर्धविराम (;)

(ग) पत्र-लेखन में निम्न सावधानियाँ बरतनी चाहिए–

1. पत्र सरल व मधुर भाषा में लिखना चाहिए।
2. पत्र स्पष्ट भाषा में लिखा जाना चाहिए।
3. एक ही बात को बार-बार नहीं दोहराना चाहिए।
4. पत्र में कोई अनुचित शब्द नहीं लिखना चाहिए।
5. पत्र में सुन्दर व स्वच्छ लेख होना चाहिए।

(घ) निबन्ध का अर्थ होता है– अच्छी तरह से बँधा हुआ अर्थात् जिस वर्णन में किसी वस्तु से संबंधित सामग्री को भली-भाँति एकत्रित करके (बाँधकर) उसे व्यवस्थित रूप में लिखते हैं, उसे निबंध कहते हैं।

SKILL Test – 1

1. (a); **2.** (b); **3.** (b); **4.** (d); **5.** (b); **6.** (a); **7.** (d); **8.** (a); **9.** (b); **10.** (b); **11.** (c); **12.** (b); **13.** (a); **14.** (d); **15.** (b)

SKILL Test – 2

1. (b); **2.** (d); **3.** (c); **4.** (a); **5.** (c); **6.** (d); **7.** (d); **8.** (d); **9.** (b); **10.** (c); **11.** (a); **12.** (c); **13.** (a); **14.** (a); **15.** (d)

SKILL Test – 3

1. (c); **2.** (b); **3.** (a); **4.** (d); **5.** (b); **6.** (b); **7.** (a); **8.** (b); **9.** (b); **10.** (c); **11.** (b); **12.** (b); **13.** (d); **14.** (c); **15.** (d)

SKILL Test – 4

1. (c); **2.** (a); **3.** (b); **4.** (c); **5.** (b); **6.** (a); **7.** (c); **8.** (d); **9.** (b); **10.** (b); **11.** (b); **12.** (b); **13.** (b); **14.** (a); **15.** (b)